# अनुक्रमणिका


| क्र. सं. | टॉपिक का नाम |
|---|---|
| 1. | राजस्थान को मिले 03 पद्म पुरस्कार |
| 2. | गणतंत्र दिवस पर 'मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श' थीम पर कर्तव्य पथ पर निकली राजस्थान की झांकी |
| 3. | राजस्थान का देश के कुल शहद उत्पादन में 9% योगदान |
| 4. | न्यूज़ इन शॉर्ट्स<br>1. राजस्थान का प्रथम गौ अभयारण्य<br>2. अलवर और जयपुर स्टेशन को 'ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार' |
| 5. | ग्रंथ कुटीर |
| 6. | डिजिटल जलवायु मानचित्र |
| 7. | एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (ACC-PLI) योजना |
| 8. | प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) |
| 9. | पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन सांख्यिकी |
| 10. | आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS), 2025 |
| 11. | IICDEM और दिल्ली घोषणापत्र, 2026 |
| 12. | स्टेट ऑफ फाइनेंस फॉर नेचर, 2026 रिपोर्ट |
| 13. | चक्रीय अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट : नीति आयोग |
| 14. | लक्कुंडी उत्खनन |



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान परिदृश्य

## राजस्थान को मिले 03 पद्म पुरस्कार

**मुख्य बिन्दु:**

| | |
|---|---|
| | ■ डीग निवासी **गफरुद्दीन** को संगीत नाटक अकादमी फैलोशिप सम्मान मिल चुका है। गफरुद्दीन प्रसिद्ध भपंग वादक और "पांडुन का कड़ा" के लोक गायक हैं। इन्हें संगीत की शिक्षा विरासत में मिली है।<br>■ इन्हें ये पुरस्कार कला के क्षेत्र में प्राप्त हुआ है। |
| | ■ जैसलमेर के **तगाराम भील** ने अलगोजा वादन की शैली से यूरोप, रूस, अमेरिका और जापान तक कला प्रेमियों को प्रभावित किया है। अलगोजा के साथ मटका और बांसुरी बजाने में भी उन्हें महारत हासिल है। इन्हें कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु, पुरस्कार प्रदान किया गया हैं।<br>■ इन्हें ये पुरस्कार कला के क्षेत्र में प्राप्त हुआ है। |
| | ■ समाज सेवी **स्वामी ब्रह्मदेव महाराज** ने श्रीगंगानगर में 13 दिसंबर, 1980 को श्री जगदंबा अंधविद्यालय की स्थापना की। यहाँ नेत्रहीन (अंध) बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाती है।<br>■ इन्हें ये पुरस्कार सामाजिक कार्य के क्षेत्र में प्राप्त हुआ है। |



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

**नोट:-**

| | |
|---|---|
| | ■ **पीयूष पांडे मूलत: राजस्थान के निवासी है परन्तु इन्हें पद्मभूषण महाराष्ट्र राज्य की ओर से मिला है।**<br>■ **राजस्थान के पीयूष पांडे को पद्म भूषण तथा गफरुद्दीन, तगाराम, ब्रह्म देव को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।**<br>■ **जयपुर मूल के पीयूष पांडे को महाराष्ट्र के कला क्षेत्र में योगदान के लिए मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। पीयूष ने विज्ञापन क्रिएटिविटी में लोहा मनवाया था। इन्हें एडमैन पीयूष पांडे भी कहा जाता है।** |


Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# गणतंत्र दिवस पर 'मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श' थीम पर कर्तव्य पथ पर निकली राजस्थान की झांकी

## चर्चा में क्यों?

- 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में राजस्थान की भव्य झांकी 'मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श' प्रदर्शित की गई।

## मुख्य बिन्दु:

- इस वर्ष की झांकी में बीकानेर की उस्ता कला, रावणहत्था वादन सहित पारंपरिक कलाकृतियों को शामिल किया गया है।
- बीकानेर की विश्वविख्यात 'उस्ता कला' इस झांकी का मुख्य आकर्षण है। यह कला सोने की बारीक नक्काशी, पारंपरिक शिल्प और उत्कृष्ट कारीगरी का बेजोड़ नमूना है। इसके साथ उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी आदि शामिल हैं।
- झांकी में रावणहत्था वाद्य यंत्र बजाते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। यह अनूठा नवाचार राजस्थान के लोकसंगीत की गहराई और सांस्कृतिक जीवंतता का प्रतीक हैं।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजस्थान का देश के कुल शहद उत्पादन में 9% योगदान

## चर्चा में क्यों?

- राजस्थान देश के कुल शहद उत्पादन में 09% योगदान दे रहा है। प्रदेश में 3,350 मधुमक्खी पालक हैं, जिनके पास करीब 2.76 लाख मधुमक्खी कॉलोनियां हैं। जिनसे प्रत्येक वर्ष लगभग 8,500 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन हो रहा है।

## मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान में शहद उत्पादन में अग्रणी जिले क्रमशः अलवर, भरतपुर और हनुमानगढ़ हैं।
- मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार वर्ष 2025-26 में 50 हजार कॉलोनियां और 50 हजार बॉक्स वितरित करेगी। इस पर 40% अनुदान के रूप में कुल 8 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# ✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

| क्र. सं. | न्यूज़ |
|---|---|
| 1. | **राजस्थान का प्रथम गौ अभयारण्य**<br>■ कोटा जिले में बनाया जाएगा राज्य का प्रथम गौ अभयारण्य। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इसकी घोषणा की गई। |
| 2. | **अलवर और जयपुर स्टेशन को 'ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार'**<br>■ राज्य सरकार ने प्रदेश के दो स्टेशनों को राजस्थान ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया है। ऊर्जा दक्षता और प्रबंधन की 'रेलवे स्टेशन' श्रेणी में अलवर पहले और जयपुर स्टेशन दूसरे स्थान पर है।<br>■ इन स्टेशनों का चयन सेवा आराम सूचकांक (एससीआई) के आधार पर किया गया है। यानी यात्रियों की सुविधाओं और उनके आराम (जैसे लाइट,पंखे, एसी) में कोई कमी किए बिना, तकनीक के जरिए बिजली की खपत को न्यूनतम स्तर पर लाया गया। |

CIVIL SERVICES



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राष्ट्रीय परिदृश्य

## ग्रंथ कुटीर

### चर्चा में क्यों?

- भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में ग्रंथ कुटीर का उद्घाटन किया।

### मुख्य बिन्दु:

**ग्रंथ कुटीर-अतिरिक्त जानकारी:-**

- इसमें भारत की 11 शास्त्रीय भाषाओं में पाण्डुलिपियों और पुस्तकों का संग्रह है।
- **11 शास्त्रीय भाषाएँ:-** तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया, बंगाली।
- **उद्देश्य:-** नागरिकों में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और साहित्यिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
- **विषय संग्रह:-** इनमें महाकाव्य, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, शासन, विज्ञान, भक्ति साहित्य शामिल है तथा इन 11 भाषाओं में भारत का संविधान भी शामिल हैं।
- यह पहल ज्ञान भारतम् मिशन के लक्ष्य को आगे बढ़ाती है।
- ज्ञान भारतम् मिशन केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय की पहल है। इसका उद्देश्य भारत की पाण्डुलिपि धरोहर का संरक्षण, डिजिटलीकरण और प्रसार करना है।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# भूगोल

## डिजिटल जलवायु मानचित्र

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में सरकार ने एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म भारतीय कृषि में जलवायु अनुकूलन का मानचित्र (ACASA-इंडिया) लॉन्च किया।

### मुख्य बिन्दु:

- विकसित- इसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान और विस्तार प्रणाली बोरलोग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया के सहयोग से विकसित किया है।
- उद्देश्य- जलवायु अनुकूल कृषि के लिए स्थान विशिष्ट और डेटा आधारित अनुकूलन योजना तैयार करना।
- यह किसानों की जलवायु संबंधि चुनौतियों से निपटने और बेहतर योजना बनाने में मदद करेगा।

**जलवायु अनुकूल कृषि:-**

- इसका अर्थ कृषि में ऐसी अनुकूलन और शमन प्रथाओं को अपनाना है, जो जलवायु के आघातों (बाढ़, सूखा आदि) को सहन करने तथा तेजी से उभरने की क्षमता बढ़ाती है।

**जलवायु अनुकूलन कृषि की आवश्यकता क्यों:-**

- उत्पादन के नुकसान को रोकना
- ग्रामीण आजीविका सुरक्षा
- वर्षा आधारित कृषि की संवेदनशीलता को रोकना
- खाद्य सुरक्षा


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

## एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (ACC-PLI) योजना

### चर्चा में क्यों?

- हालिया आँकड़ों के अनुसार एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (ACC-PLI) योजना के लक्ष्य और प्राप्त वास्तविक परिणामों में अंतर पाया गया।

### मुख्य बिन्दु:

- **लॉन्च:** अक्टूबर, 2021
- **उद्देश्य:** अगली पीढ़ी के बेटरी सेल के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना।
- **लक्ष्य:** वर्ष 2026 तक 50 गीगावाट घंटे की बैटरी सेल निर्माण क्षमता स्थापित करना।
- **नोडल मंत्रालय:** भारी उद्योग मंत्रालय
- **परिव्यय:** 18100 करोड़ रुपये।

**द्वितीयक उद्देश्य/ महत्त्व :**

1. आयात पर निर्भरता को कम करना तथा निजी निवेश और वैश्विक तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देना।
2. बैटरी की लागत को कम करना और इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण को अपनाने में तेजी लाने हेतु एक स्थानीय बैटरी आपूर्ति श्रृंखला (कैथोड, एनोड) का निर्माण करना।

**प्रोत्साहन:**

- चयनित निर्माताओं को बैटरी की वास्तविक ब्रिकी से जुड़े प्रोत्साहनों के तहत् प्रति किलोवाट घंटे लगभग 2000 रुपये की अधिकतम सब्सिडी प्रदान करना।
- कंपनियों को कम से कम 1100 करोड़ रुपये का निवेश करना था और चरणबद्ध तरीके से घरेलू मूल्यवर्धन लक्ष्यों को पूरा करना था, जिसमें 2 वर्ष में 25% और 5 वर्ष में 60% लक्ष्य शामिल थे।
- वर्ष 2026 तक 50 गीगावाट के लक्ष्य के मुकाबले मात्र 1.4 गीगावाट बैटरी क्षमता ही चालू की गई।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि)

## चर्चा में क्यों?

- स्ट्रीट वेंडर्स के लिए PM स्वनिधि क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की गई है।

## मुख्य बिन्दु:

### PM स्वनिधि क्रेडिट कार्ड:-

- **पात्रता:-** वे सभी स्ट्रीट वेण्डर्स जिन्होंने PM स्वनिधि योजना के तहत दूसरी किस्त का ऋण चुका दिया है और तीसरी किस्त के लिए पात्र है।
- **ऋण सीमा:-** यह Rupay रिटेल क्रेडिट कार्ड होगा। अधिकतम 30000 रुपये तक निकालने की अनुमति होगी।
- इसमें रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधा उपलब्ध होगी अर्थात् निर्धारित सीमा के भीतर कभी भी ऋण लिया जा सकता है और चुकाया जा सकता है।

### PM स्वनिधि योजना:-

- **शुरुआत-** वर्ष 2020
- **योजना प्रकार:-** केन्द्रीय क्षेत्रक योजना
- **उद्देश्य:-** कोविड-19 लॉकडाउन के बाद स्ट्रीट वेण्डर्स को कम ब्याज दर पर कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध करवाया।
- **कार्यान्वयन:-** केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय तथा वित्तीय सेवा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## आर्थिक परिदृश्य

### पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन सांख्यिकी

**चर्चा में क्यों?**

- पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन सांख्यिकी में सुधार हेतु तकनीकी दिशा-निर्देश समिति (TCD) की वार्षिक बैठक 22-23 जनवरी, 2026 को आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

**मुख्य बिन्दु:**

- **समिति के प्राथमिक उद्देश्य:** प्रमुख डेटा कमियों की पहचान करना, सुधारात्मक उपायों की सिफारिश करना, केंद्रीय और राज्य निकायों द्वारा कार्यान्वयन के लिए सांख्यिकीय पद्धतियों पर विचार विमर्श करना और संबंधित नमूना सर्वेक्षण और जनगणना आयोजित करने पर मार्गदर्शन प्रदान करना।
- **लक्ष्य:** समिति ने प्रमुख पशुधन उत्पाद अनुमानों की समीक्षा की और वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य निर्धारित किए। इसके बाद आन्ध्रप्रदेश, राजस्थान, केरल, उत्तराखंड और मिजोरम सहित 5 राज्यों ने सांख्यिकी डेटा संग्रह ढाँचे में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रस्तुत किया।

**अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु :**

**भारत में पशुधन की स्थिति:**

- 20वीं पशुधन गणना (वर्ष 2019) के अनुसार, भारत में कुल 53.578 करोड़ की पशुधन संख्या है।
- **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में भोगदान:** पशुधन क्षेत्र ने 12.997 की CAGR की वृद्धि की (वर्ष 2014-15 से 2022-23 तक) है।



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## मुख्य पशुधन उत्पादन:

| क्षेत्रक | मुख्य बिंदु |
|---|---|
| दुग्ध | ■ विश्व में उत्पादन : पहला स्थान ( 25% हिस्सेदारी)।<br>■ दुग्ध उत्पादक राज्य: उत्तरप्रदेश (~15.66%) > राजस्थान (~14%) > मध्यप्रदेश > गुजरात। |
| अंडा | ■ विश्व में उत्पादन : दूसरा स्थान।<br>■ वाणिज्यिक कुक्कुट पालन (पोल्ट्री) ने राष्ट्रीय स्तर पर कुल अंडा उत्पादन में 84.49% योगदान दिया।<br>■ अंडा उत्पादक राज्य: आन्ध्रप्रदेश (18.37) > तमिलनाडु > तेलंगाना > पश्चिम बंगाल |
| माँस | ■ विश्व में स्थान : चौथा<br>■ माँस उत्पादक राज्य : पश्चिम बंगाल (12.46%) > उत्तरप्रदेश > महाराष्ट्र > आन्ध्रप्रदेश |
| ऊन | ■ कुल उत्पादन : 34.57 मिलियन किलोग्राम अनुमानित।<br>■ ऊन उत्पादक राज्य: राजस्थान (~47%) > जम्मू-कश्मीर > गुजरात > महाराष्ट्र। |


UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS), 2025

### चर्चा में क्यों?

- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS), दिसंबर, 2025 में कार्यबल की भागीदारी वार्षिक उच्च स्तर तथा बेरोजगारी दर स्थिर रही।

### मुख्य बिन्दु:

1. **श्रम बल सहभागिता दर (LFPR):**
   - 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए LFPR जून, 2025 से लगातार बढ़ रहा है।
   - दिसंबर, 2025 में 56.1% दर्ज किया गया।
   - **श्रम बल सहभागिता दर (LFPR):** कामकाजी उम्र की आबादी (15-59 वर्ष) का वह प्रतिशत जो या तो कार्यरत है या सक्रिय रूप से निरंतर रोजगार की तलाश कर रहे हैं।
2. **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR):**
   - WPR अपने वार्षिक उच्चतम स्तर 53.4% पर पहुँच गया।
   - ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों का WPR, 76% है तथा महिलाओं का WPR 38.6% हैं।
   - **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (WPR):** कामकाजी उम्र की आबादी का वह % जो वास्तव में कार्यरत है।
3. **बेरोजगारी दर: समग्र बेरोजगारी दर (UR) 4.8% पर स्थिर है।**

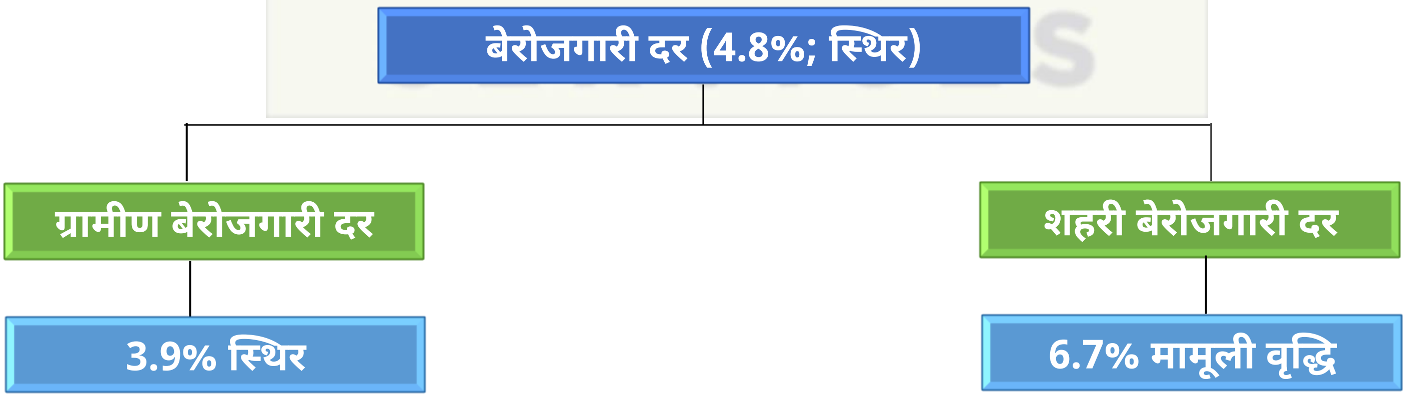


4. **जीवन निर्वाह दर:** ग्रामीण जीवन निर्वाह दर (59%) > शहरी जीवन निर्वाह दर (50.2%)

- उपर्युक्त तथ्य से स्पष्ट होता है कि असमानता बनी हुई है तथा बेरोजगारी लगातार ग्रामीण स्तरों से अधिक है।




UTKARSH उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# राजव्यवस्था

## IICDEM और दिल्ली घोषणापत्र, 2026

### चर्चा में क्यों?

- भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा आयोजित लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (IICDEM), 2026, 23 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 40 से अधिक चुनाव प्रबंधन निकायों (EMB) द्वारा सर्वसम्मति से 'दिल्ली घोषणापत्र, 2026' को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।

### मुख्य बिन्दु:

#### दिल्ली घोषणापत्र, 2026:

- **परिचय:** एक आम सहमति पर आधारित वैश्विक ढाँचा है, जिसे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सहयोग, नवाचार और मापने योग्य कार्यों के माध्यम से मजबूत करने के लिए EMBs द्वारा अपनाया गया है।
- **समीक्षा हेतु प्रावधान:** आवधिक समीक्षाएँ और एक अनुवर्ती बैठक 3,4 तथा 5 दिसंबर, 2026 को भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान में, नई दिल्ली में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।

#### घोषणापत्र की विशेषताएँ:

1. EMB द्वारा सर्वसम्मति से वैश्विक स्तर पर अपनाया गया, जिससे इसे वैश्विक उच्च स्तर की वैधता प्राप्त होती है।
2. संस्थागत अनुवर्ती कार्यवाही आवधिक समीक्षा और वार्षिक सहभागिता।
3. संपूर्ण चुनावी चक्र को कवर करने वाले 5 स्तंभ वाली वास्तुकला।
4. ज्ञान का सह-सृजन वैश्विक विश्वकोष और विषयगत रिपोर्टें।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

## दिल्ली घोषणापत्र, 2026 के 5 स्तंभ –

1. **Pillar (स्तंभ)-I : मतदाता सूचियों की शुद्धता (Purity of Electoral rolls):**
   - पूर्ण, सटीक और कानून के अनुरूप मतदाता सूचियों पर जोर दिया गया है।
   - सार्वभौमिक फोटो पहचान पत्र और सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करने पर ध्यान केंद्रित करना।
2. **Pillar (स्तंभ)-II: चुनाव संचालन (conduct of Elections):**
   - स्वतंत्र, निष्पक्ष, सहभागी, समावेशी और पारदर्शी चुनावों के प्रति प्रतिबद्धता।
   - हितधारकों पर केंद्रित चुनाव प्रबंधन।
3. **pillar (स्तंभ)-III: अनुसंधान और प्रकाशन (Research and Publications):**
   - विश्व के लोकतंत्रों के विश्वकोश का सह-संचालन।
   - इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (इंटरनेशनल IDEA) के नेतृत्व में 7 विषयों पर और IIIDEM के नेतृत्व में 36 विषयों पर व्यापक रिपोर्ट।
4. **Pillar (स्तंभ)-IV: प्रौद्योगिकी उपयोग (Use of Technology):**
   - निष्पक्षता की रक्षा करते हुए मतदाताओं और अधिकारियों की सुविधा के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना।
   - ECINET के साथ भारत के अनुभव को साझा करना, जिसमें स्थानीय भाषाओं और कानूनी संदर्भों में अन्य EMB के लिए सह-विकास शामिल हैं।
   - गलत सूचनाओं का मुकाबला करने पर विशेष ध्यान।
   - **NOTE:** IICDEM के दूसरे दिन, निर्वाचन आयोग की सभी चुनाव संबंधी सूचनाओं एवं सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराने वाले एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म 'ECINET' का शुभारंभ किया गया।
5. **Pillar (स्तंभ)-V: प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण (Training and capacity Building):**
   - IIIDEM के माध्यम से ज्ञान साझा करना, व्यावसायिक प्रशिक्षण और पारदर्शी प्रथाओं का आदान-प्रदान करना।
   - EMB की दीर्घकालिक संस्थागत क्षमता का निर्माण करना।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

## स्टेट ऑफ फाइनेंस फॉर नेचर, 2026 रिपोर्ट

### चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा जारी स्टेट ऑफ फाइनेंस फॉर नेचर, 2026 रिपोर्ट के अनुसार प्रकृति विरोधी वित्त (7.3 ट्रिलियन डॉलर), प्रकृति सकारात्मक निवेश (220 बिलियन डॉलर) से कई अधिक है।

### मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह वित्तीय आकलन करती है तथा नीति निर्माता और व्यवसाय को प्रकृति आधारित समाधानों (NBS) में निवेश करने को प्रेरित करती है, जिससे सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए पारिस्थितिक तंत्रों की रक्षा, पुनर्स्थापना और सतत् प्रबंधन करते हैं।
- **संस्करण:** चौथा

**रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:**

1. **वित्तीय अंतर:** वैश्विक रियो कन्वेंशन के लक्ष्यों को पुरा करने के लिए NBS के निवेश को वर्ष 2030 तक सालाना 2.5 गुना बढ़ाकर 571 बिलियन डॉलर करना होगा।
2. **सार्वजनिक सब्सिडी:** सरकारों ने पर्यावरण के लिए हानिकारक साब्सिडी (EHS) के रूप में 2.4 ट्रिलियन डॉलर प्रदान किए (मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन (1.13 ट्रिलियन डॉलर तथा उसके बाद कृषि व जल हेतु)
3. **वित्तीय हानि:** प्रकृति को नुकसान पहुँचाने वाला वार्षिक वित्तीय प्रवाह वर्ष 2023 में 7.3 ट्रिलियन डॉलर रहा (वैश्विक GDP का 7%)।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4. **सार्वजनिक वित्त व NBS:** NBS वित्त में शामिल 220 बिलियन डॉलर में से 90% वित्त सार्वजनिक स्त्रोतों से आता है।

5. **निजी निवेश व NBS:** NBS में निजी निवेश केवल 23.4 बिलियन डॉलर है जिसमें जैव विविधता क्षतिपूर्ति और प्रमाणित वस्तु आपूर्ति श्रृंखलाएँ सबसे बड़े योगदान कर्त्ता है।

**रिपोर्ट की अनुशंसाएँ:**

1. **सब्सिडी में सुधार:** हानिकारक सार्वजनिक सब्सिडी के रूप में दिए जा रहें 2.4 ट्रिलियन डॉलर को पुनर्योजी कृषि और स्वच्छ ऊर्जा की ओर पुनर्निदेशित करें।
2. **स्केल ब्लेंडेड फाइनेंस :** गारंटी और सह वित्तपोषण के माध्यम से NBS में निजी निवेश के जोखिम को कम करने के लिए सार्वजनिक वित्त का उपयोग करना।
3. **अनिवार्य प्रकटीकरण:** ऐसे कानून को लागू किए जाए जिसके तहत् सभी बड़ी कंपनियों और वित्तीय संस्थाओं को प्रकृति से संबंधित जोखिमों और प्रभावों का प्रकटीकरण अनिवार्य हो।
4. **बजटीय प्रावधान:** राष्ट्रीय राजकोषीय ढाँचे और हरित बजट में प्रकृति आधारित बुनियादी ढाँचे को शामिल किया जाए।
5. **जन भागीदारी:** 'स्थानीय समुदायों' के अधिकारों की रक्षा कर उन्हें प्रकृति वित्त के सह निर्माता व लाभार्थी बनाया जाए।



उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# चक्रीय अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट : नीति आयोग

## चर्चा में क्यों?

- ई- अपशिष्ट और लीथियम आयन बैटरी की चक्रीय अर्थव्यवथा पर रिपोर्ट जारी की गई। यह रिपोर्ट नीति आयोग ने ऊर्जा और संसाधन संस्थान (TERI) के सहयोग से जारी की है।

## मुख्य बिन्दु:

- **चक्रीय अर्थव्यवस्था –** यह उत्पादन और उपयोग का एक मॉडल है। इसमें मौजूदा सामग्रियों व उत्पादों को सांझा करना, पट्टे पर देना, पुन: उपयोग करना, मरम्मत करना, नवीनीकरण करना तथा पुनर्चक्रण करना शामिल हैं।

### ई-अपशिष्ट की चक्रीयता में चुनौती:-

- अनौपचारिक व अक्षम संग्रह- ई. अपशिष्ट का 78% तक अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा संसाधित।
- कमजोर निगरानी व प्रवर्तन- जैसे विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व प्रणाली में हेरफेर।
- सीमित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व प्रणाली कवरेज (EPR)।
- शोध- अनुसंधान-नवाचार-तकनीक का अभाव।

### सिफारिशें:-

- अपशिष्ट प्रबंधन नियमों को मजबूत करना जैसे ERP
- प्रोत्साहन- जैसे उत्पादन से संबंद्ध प्रोत्साहन (PLI)
- पुनर्चक्रण को कार्बन बाजार से जोड़ना
- अनौपचारिक क्षेत्रक का समेकन
- उपभोक्ता जागरूकता, कौशल विकास, आदि।

### भारत में ई-अपशिष्ट की स्थिति:-

- **ई-अपशिष्ट सृजन-** भारत वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा ई-अपशिष्ट उत्पादक (विश्व का 7%) है।
- **पुनर्चक्रण दर:-** भारत में यह केवल 10% है जो वैश्विक औसत लगभग 22% की तुलना में आधा है।

### भारत की पहलें:-

1. ई- अपशिष्ट प्रबंधन नियम: 2022- ये विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व-EPR आदेश को लागू करता है।
2. बैटरी अपिशिष्ट प्रबंधन नियम- 2022


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

# इतिहास

## लक्कुंडी उत्खनन

### चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, कर्नाटक के लक्कुंडी में उत्खनन के दौरान नवपाषाण युग की कलाकृतियाँ प्राप्त हुई है।

### मुख्य बिन्दु:

- उत्खनन: भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की निगरानी में कोटे वीरभद्रेश्वर मंदिर में खुदाई के दौरान, जिसका उद्देश्य विरासत संरक्षण और यूनेस्को नामांकन का समर्थन करने हेतु दबी हुई संरचनाओं और कलाकृतियों को उजागर करना था।
- **अवस्थिति:** लक्कुंडी गाँव, गडग जिला, कर्नाटक

**लक्कुंडी का इतिहास:**

- **उपनाम:** "सौ कुओं और मंदिरों का गाँव"
- **10वीं से 13वीं शताब्दी:** प्रमुख आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के रूप में प्रसिद्ध।
- **11वीं शताब्दी:** रानी अत्तिमाबे (जैन धर्म की संरक्षिक)।
- **धार्मिक सद्भावना/बहुलवाद का प्रतीक:** यहाँ हिंदू मंदिर, जैन बसदियां, बावडियाँ एवं एक दरगाह स्थित है।
- **संरक्षण :** कल्याणी के चालुक्य व होयसल वंश द्वारा।
- चालुक्य मंदिर वास्तुकला की "लक्कुंडी शैली' के लिए जाना जाता है।

**प्राप्त अवशेष:**

- **नवपाषाणकालीन कलाकृतियाँ :**

1. टूटा हुआ धूसर मिट्टी का बर्तन।
2. पत्थर की कुल्हाड़ी।
3. कौड़ी के गोले, क्रॉस के आकार का आधार।


उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रारंभिक व मध्यकालीन कलाकृतियाँ :**

  1. जिना आकृति से खुदा हुआ पत्थर का चबूतरा।

  2. शिलालेख एवं दबे हुए मंदिर के अवशेष।

**महत्त्व:**

1. प्रागैतिहासिक काल से प्रारंभिक मध्यकाल तक मानव निवास की पुष्टि।
2. लक्कुंडी को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित करने के लिए कर्नाटक के दावे को मजबूती।

UTKARSH CIVIL SERVICES



UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR